

卐 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ 卐

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

मेष राशिफल 2027

मुफ़्त वार्षिक मार्गदर्शिका

मेष चंद्र राशि

गुरु, शनि, राहु–केतु · महीनेवार · ग्रहण

iastroguru.com/hi

IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

2027 में किन बातों पर ध्यान दें?

मेष चंद्र राशि के लिए 2027 की शुरुआत में गुरु पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) और शनि बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) में हैं। इन विषयों पर ध्यान दें और नीचे के गोचर बदलावों के साथ अपनी योजना की समीक्षा करें।

2027 के प्रमुख गोचर

हर अवधि का आरंभ शामिल है और अंत अगली अवधि का आरंभ है। वक्री गति से उसी राशि में वापसी अलग दिखाई गई है। सभी समय भारतीय मानक समय में।

> गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद।
>
> 1 जन॰ 2027, 00:00 → 25 जन॰ 2027, 01:31

> गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 25 जन॰ 2027, 01:31 → 26 जून 2027, 05:19

> गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद।
>
> 26 जून 2027, 05:19 → 26 नव॰ 2027, 18:44

> गुरु: छठे भाव (दैनिक काम, स्वास्थ्य की दिनचर्या, प्रतिस्पर्धा और सेवा) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें।
>
> 26 नव॰ 2027, 18:44 → 1 जन॰ 2028, 00:00

> शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।
>
> 1 जन॰ 2027, 00:00 → 3 जून 2027, 05:28

शनि: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।

3 जून 2027, 05:28 → 20 अक्टू॰ 2027, 07:12

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं।

20 अक्टू॰ 2027, 07:12 → 1 जन॰ 2028, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें।

1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

महीनेवार सुझाव

जनवरी 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 25 जन॰ 2027, 01:31

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 25 जन॰ 2027, 01:31 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 जन॰ 2027, 00:00 → 1 फ़र॰ 2027, 00:00

फ़रवरी 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 फ़र॰ 2027, 00:00 → 1 मार्च 2027, 00:00

मार्च 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 मार्च 2027, 00:00 → 1 अप्रैल 2027, 00:00

अप्रैल 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 अप्रैल 2027, 00:00 → 1 मई 2027, 00:00

मई 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 मई 2027, 00:00 → 1 जून 2027, 00:00

जून 2027

गुरु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 जून 2027, 00:00 → 26 जून 2027, 05:19

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 26 जून 2027, 05:19 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जून 2027, 00:00 → 3 जून 2027, 05:28

शनि: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 3 जून 2027, 05:28 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जून 2027, 00:00 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 जून 2027, 00:00 → 1 जुल॰ 2027, 00:00

जुलाई 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

शनि: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 जुल॰ 2027, 00:00 → 1 अग॰ 2027, 00:00

अगस्त 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

शनि: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 अग॰ 2027, 00:00 → 1 सित॰ 2027, 00:00

सितंबर 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

शनि: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 सित॰ 2027, 00:00 → 1 अक्टू॰ 2027, 00:00

अक्टूबर 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

शनि: पहले भाव (आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के ढंग) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 20 अक्टू॰ 2027, 07:12

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 20 अक्टू॰ 2027, 07:12 → 1 नव॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 अक्टू॰ 2027, 00:00 → 1 नव॰ 2027, 00:00

नवंबर 2027

गुरु: पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य) — विकास, अच्छी सलाह, भाग्य और आशीर्वाद। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 26 नव॰ 2027, 18:44

गुरु: छठे भाव (दैनिक काम, स्वास्थ्य की दिनचर्या, प्रतिस्पर्धा और सेवा) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 26 नव॰ 2027, 18:44 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 नव॰ 2027, 00:00 → 1 दिस॰ 2027, 00:00

दिसंबर 2027

गुरु: छठे भाव (दैनिक काम, स्वास्थ्य की दिनचर्या, प्रतिस्पर्धा और सेवा) — धीमी प्रगति और ज़रूरत से ज़्यादा वादे; योजनाएँ व्यावहारिक रखें। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

शनि: बारहवें भाव (खर्च, विदेश, नींद, एकांत और मोक्ष) — देरी और भारी ज़िम्मेदारियाँ; धैर्य और दिनचर्या सबसे ज़्यादा मदद करते हैं। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

राहु: दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा) — भ्रम और अचानक बदलाव; शॉर्टकट से बचें। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

केतु: चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन) — बेचैनी और विरक्ति; ज़मीन से जुड़े रहें। 1 दिस॰ 2027, 00:00 → 1 जन॰ 2028, 00:00

2027 के ग्रहण

वलयाकार सूर्य ग्रहण — दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा)

6 फ़र॰ 2027, 21:29

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — पाँचवें भाव (संतान, सृजन, पढ़ाई, बुद्धि और पूर्व पुण्य)

21 फ़र॰ 2027, 04:42

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा)

18 जुल॰ 2027, 21:33

पूर्ण सूर्य ग्रहण — चौथे भाव (घर, माता, मन की शांति, संपत्ति और वाहन)

2 अग॰ 2027, 15:36

उपच्छाया चंद्र ग्रहण — दसवें भाव (करियर, पद, सार्वजनिक काम और प्रतिष्ठा)

17 अग॰ 2027, 12:43

ये विश्वव्यापी अधिकतम के समय हैं; भारत या आपके शहर में दिखाई देना अलग गणना है। सूर्य ग्रहण में सूर्य का और चंद्र ग्रहण में चंद्रमा का भाव दिखाया गया है। ग्रहण किसी अनिष्ट की गारंटी नहीं है; सामान्य योजनाएँ डर के आधार पर न बदलें।

गणना और सीमाएँ

यह सामान्य चंद्र राशिफल है, व्यक्तिगत भविष्यवाणी नहीं। लाहिरी अयनांश, पूर्ण राशि भाव और माध्य राहु–केतु; शुभ भाव शास्त्रीय गोचर नियमों से, वेध लागू नहीं। सामग्री उन्नत iAstroGuru इंजन द्वारा निश्चित शास्त्रीय नियमों से गणना की गई है और बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से गुज़रती है। आपकी जन्म कुंडली और दशा से फल अलग हो सकता है। समय भारतीय मानक समय में हैं; भाव बदलने का समय लगभग एक मिनट तक की गणना है।

अपनी कुंडली से पूरा 2027

राशिफल हर उस व्यक्ति के लिए एक जैसा है जिसकी चंद्र राशि आपकी है। संपूर्ण वार्षिक रिपोर्ट 2027 आपकी अपनी जन्म कुंडली से पूरा वर्ष पढ़ती है: दशाएँ, वर्षफल, गोचर, ग्रहण, जीवन का हर क्षेत्र और जनवरी से दिसंबर तक हर महीना।



iastroguru.com/hi/reports/annual-report-2027

मुफ़्त कुंडली, दैनिक राशिफल और पंचांग: **iastroguru.com/hi**